कक्षा-3

सबसे अच्छा पेड़

दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव

0323CH14

“जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।” - स्वामी विवेकानंद

प्रशिक्षण और सलाहकार	श्री संदीप सेठी शिक्षाविद परामर्श निदेशक शिक्षा कार्यक्रम एम.एस.एम.एस. संग्रहालय, जयपुर
उद्‌भावना	श्रीमती अदिति मिश्रा निदेशक प्राचार्या
समन्वयक	श्रीमती सपना धवन डीन (छात्र कल्याण)- दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव श्रीमती लवीना हेमरजानी मुख्याध्यापिका दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव
विषय विशेषज्ञ	श्रीमती दीप्ती तुली, पी.आर.टी. (हिंदी विभाग) श्रीमती बृंदा बसनोत्रा, पी.आर.टी. (हिंदी विभाग) श्रीमती पदमा फर्तियाल, पी.आर.टी.(हिंदी विभाग)
कला	श्रीमती मधुमिता नंदी (विभागाध्यक्ष) पी.जी.टी. कला विभाग श्रीमती रुपीना आनंद, पी.जी.टी. कला विभाग श्रीमती रितु भाटिया, पी.आर.टी. कला विभाग
तकनीकी सहयोग	श्रीमती मोना शर्मा पी.आर.टी. कंप्यूटर साइंस विभाग श्री सागर पंत पी.आर.टी. कंप्यूटर साइंस विभाग

निदेशक प्राचार्या का संदेश

इस ग्राफिक उपन्यास का निर्माण हम सभी के लिए एक अनूठा अनुभव रहा है। यह एक अर्थ में, 21 वीं शताब्दी के चार मुख्य ' **स** ' कौशलों को शामिल करता है:

सृजनात्मकता - हम सबने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए इन ग्राफिक उपन्यासों का निर्माण किया है।

सहयोग - सभी विभाग एक टीम के रूप में काम करने के लिए एक साथ आए।

सोच-विचार- महत्त्वपूर्ण तथ्यों पर गहन सोच-विचार करने के लिए सब एक साथ जुट गए तथा कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया जिससे पाठ्यक्रम सर्वोत्तम तरीके से हमारे शिक्षार्थियों तक पहुँच सके।

संचार- सीखने के परिणामों को हमारे बीच और अधिक महत्त्वपूर्ण रूप से हमारे दर्शकों के लिए संचार द्वारा संप्रेषित कर सके।

मुझे लगता है कि ग्राफिक उपन्यास जटिल मॉड्यूल को तोड़ने और उन्हें एक कहानी के माध्यम से समझाने का एक शानदार तरीका है।

इस सामग्री को बनाने के लिए तथा टीमों को प्रोत्साहित करने के लिए सुश्री अनीता करवाल और श्री मनोज आहूजा को मेरा हार्दिक आभार।

श्री संदीप सेठी का आभार, जिन्होंने इस उपन्यास के लिए प्रशिक्षण देने में पूर्ण धैर्य दिखाया, नहीं तो, इस उपन्यास को सही दिशा न मिल पाती।

अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए शिक्षकों द्वारा की गई जी-तोड़ मेहनत भी प्रशंसनीय है।

अदिति मिश्रा

निदेशक प्राचार्या

दिल्ली पब्लिक स्कूल

सेक्टर 45

विषय सूची

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	अधिगम	5
2.	दृश्य आरेखण स्टोरी बोर्ड	6
3.	पात्र परिचय	7
4.	सबसे अच्छा पेड़	10
5.	गतिविधि	14
6.	सबसे अच्छा पेड़	15
7.	गतिविधि	25
8.	सबसे अच्छा पेड़	26
9.	गतिविधि	29
10.	सबसे अच्छा पेड़	30
11.	गतिविधि	33
12.	सबसे अच्छा पेड़	34
13.	गतिविधि	35
14.	सबसे अच्छा पेड़	36
15.	गतिविधि	39
16.	सबसे अच्छा पेड़	40
17.	गतिविधि	41
18.	सबसे अच्छा पेड़	42
19.	गतिविधि	44
20.	सबसे अच्छा पेड़	45
21.	गतिविधि	46
22.	वर्ग पहेली	47
23.	प्रश्नावली	48
24.	गतिविधि	50
25.	अभिस्वीकृति	52

अस्वीकरण

दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव, सेक्टर-45 द्वारा कृत यह उपन्यास केवल काल्पनिक है। यह उपन्यास युवा शिक्षार्थियों को प्रेरित करने, उनकी रुचि को जागृत करने और पाठ की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसका अर्थ है कि यह उपन्यास केवल पूरक मात्र है, इसका उद्देश्य पाठ्यपुस्तक में निहित पाठ की जानकारी को बदलना नहीं है। इस ग्राफिक उपन्यास के पात्र काल्पनिक हैं और किसी भी नाम, पात्र और घटना से उनका मिलना मात्र संयोग है।

आमुख

पेड़-पौधों के महत्त्व को दर्शाते हुए छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से पारिवारिक संबंधों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया गया है। प्रस्तुत ग्राफिक नॉवेल में पेड़-पौधे जीवन में हरियाली व खुशी के परिचायक हैं और अगर इनका संबंध स्वास्थ्य से हो तो मानव जीवन खुशियों से भर जाता है। प्रस्तुत ग्राफिक नॉवेल में भारत के विविध प्रांतों के पेड़ों व उनके महत्त्व को दर्शाया गया है। इस नॉवेल की एक और विशेषता यह है कि यह क्रमानुसार चित्रित है, जिसमें बच्चों की रुचि परस्पर बनी रहती है। इस ग्राफिक नॉवेल में 'चिपको आंदोलन' एवं 'राखी उत्सव' के महत्त्व को बताया गया है। भाषा कौशल के साथ-साथ नवीन शब्दों के समावेश पर भी पूर्ण ध्यान केंद्रित किया गया है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत ग्राफिक नॉवेल विद्‌यार्थियों की रोचकता और उत्सुकता को बनाए रखेगा।

कक्षा तीन
विषय हिंदी
सबसे अच्छा पेड़

अधिगम प्राप्ति

- पेड़-पौधों के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करना।
- विद्यार्थियों में परोपकार एवम् सहनशीलता की भावना को जागृत करना।
- नानी-दादी के घरेलू नुस्खों को अपने जीवन में शामिल कर उसका उपयोग करना।
- विज्ञान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त करना।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास करना।
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
- भारत की विविधता से परिचय करवाते हुए सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
- श्रवण व वाचन कौशल के चिंतन एवम् मनन की प्रवृत्ति का विकास करना।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उसका उचित प्रयोग करना।

स्टोरी बोर्ड

वर्तमान परिवेश में कक्षा का दृश्य- अध्यापिका का आगमन- संवाद के माध्यम से विभिन्न पेड़ों के नाम एवं उनसे होने वाले उपयोगों की जानकारी देना।

'सबसे अच्छा पेड़' पाठ के माध्यम से पेड़ों की उपयोगिता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

बरगद दादा द्वारा पेड़ों के महत्त्व के विषय में जानकारी देना।

भारत में पाए जाने वाले विभिन्न पेड़ों की जानकारी से अवगत करवाना।

पेड़ों के संरक्षण हेतु चिपको आंदोलन एवं पेड़ राखी उत्सव के विषय की जानकारी देना।

पात्र

दादा जी 70 वर्ष

दादी जी 65 वर्ष

पिता जी 40 वर्ष

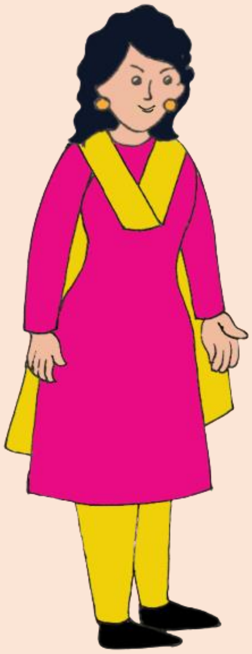

माता जी 36 वर्ष

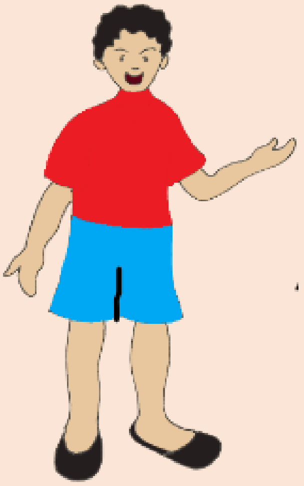

मयंक 9 वर्ष

मयंक की बहन 6 वर्ष

पात्र

अध्यापिका 35 वर्ष

अरनव 9 वर्ष

निहारिका 9 वर्ष

राहुल 9 वर्ष

बरगद दादा

पात्र

नीम

केला

नारियल

आम

सुप्रभात, प्यारे बच्चो
सुप्रभात, अध्यापिका जी।

आप सब कैसे हैं?
हम सब ठीक हैं।

अरे राहुल! आज तुम इतना चुप क्यों हो?
अध्यापिका जी, राहुल के दाँत में दर्द हो रहा है।

राहुल, कल तुमने क्या खाया था?
ऐसा कुछ नहीं खाया अध्यापिका जी!

अध्यापिका जी,
राहुल रोज़ दाँत साफ़
नहीं करता।
राहुल, हम जब छोटे थे
तब हम हर रोज़ नीम से
दातुन किया करते थे।

अरनव ऐसा नहीं है।
तुम्हें पता है? ये पेड़
बहुत फ़ायदेमंद होते हैं।
अध्यापिका जी, नीम
तो बहुत कड़वा होता है।

हाँ अध्यापिका जी, अरनव सही कह रहा है।

अरे वाह! आज तो बड़ी अच्छी बात हो गई।
क्या, अध्यापिका जी?

क्यों न आज हम सब पेड़ों के बारे में ही बात करें।
हाँ, अध्यापिका जी हमें भी पेड़ों के बारे में कुछ बताइए।
मेरे दादा जी भी हमें पेड़ों के बारे में बताते हैं।

पेड़ हमारे लिए बहुत ज़रूरी हैं।
अच्छा! अध्यापिका जी, वह कैसे?
पेड़ों से हमें ऑक्सीजन, लकड़ी, फल-फूल आदि बहुत कुछ मिलता है।
मेरे दादा जी के पास पेड़ों के महत्व के बारे में एक किताब है।
जिसमें आम, केला, नारियल, पीपल, सेब, संतरा आदि पेड़ों के उपयोग बताए गए हैं।

गतिविधि

पेड़-पौधों के नाम लिखो और दवा बताओ,
सही उपचार हमें बतलाओ।

उदाहरण-	तुलसी	काढ़ा	खाँसी

1.

2.

3.

4.

5.

आज हम पाठ पढ़ेंगे- 'सबसे अच्छा पेड़'। ये कहानी तीन भाइयों की है।
जो पेड़ों की उपयोगिता के अनुसार अपना घर उन पेड़ों के नीचे बनाते हैं।
एक भाई आम के पेड़ के नीचे, दूसरा केले के नीचे, तीसरा नारियल के पेड़ नीचे घर बनाकर खुशी से रहने लगे।
छुट्टी हो गई है अब घर चलते हैं।
मयंक विद्यालय से घर आता है। माँ को बस्ता देते हुए कहता है।
माँ! आज हमारी अध्यापिका जी ने हमें पेड़ों के बारे में जानकारी दी।
अच्छा ! क्या-क्या जानकारी दी?
अध्यापिका जी ने बताया कि पेड़ हमारे लिए किस तरह उपयोगी हैं।

पेड़ों के लाभ बताते हुए एक पाठ पढ़ाया जिसका नाम है- 'सबसे अच्छा पेड़'।

अच्छा! तो हमें भी कहानी सुनाना। सबसे पहले तुम हाथ-मुँह धो लो।

हाँ, मैं भी कहानी सुनूँगी।
मैं भी कहानी सुनूँगा।

हम सभी को कहानी सुनने की उत्सुकता है।
ठीक है। सभी को एक साथ सुनाऊँगा।

शाम को पिताजी आते हैं। पूरा परिवार खाने की मेज़ पर बैठा हुआ है।
हाँ, तो मयंक बेटा आज आपने कौन-सी कहानी सुनी?

मयंक कहानी सुनाना शुरु करता है। सब कहानी ध्यान से सुनते हैं।
सब को कहानी बहुत अच्छी लगती है। दादा जी बहुत खुश हो जाते हैं।

इसी खुशी में हम भी नारियल से बने लड्डू खाते हैं।
हाँ दादाजी,क्यों नहीं?

आओ सब लड्डू खाते हैं।

बहुत बढ़िया मयंक ! मुझे खुशी है कि तुम अध्यापिका की बात ध्यान से सुनते हो।

बहत अच्छा, मैं भी तुम्हें पेड़ों के बारे में बहुत कुछ बताऊँगा।

हाँ दादा जी बताइए। मैं भी सुनूँगी।

बच्चो, रात बहुत हो गई है। कल सुनाएँगे।
नहीं दादा जी, सुनाइए ना।

आप पेड़ व उनके उपयोग की किताब मयंक को पढ़ने के लिए दे दीजिए।
ये लो बच्चो, पुस्तक।इससे तुम्हें पेड़ों की जानकारी मिलेगी।

सपनों की दुनिया में वह उस काल में पहुँच जाता है जहाँ सभी पेड़ आपस में एक-दूसरे से बातें किया करते हैं।

वह स्वयं को बहुत सारे पेड़ों के बीच पाकर हैरान हो जाता है।

अचानक उसने अपने कंधे पर एक हाथ महसूस किया और पीछे मुड़कर देखा तो उसने विशाल वृक्ष पाया। जिसका चेहरा हमारे जैसा ही था।

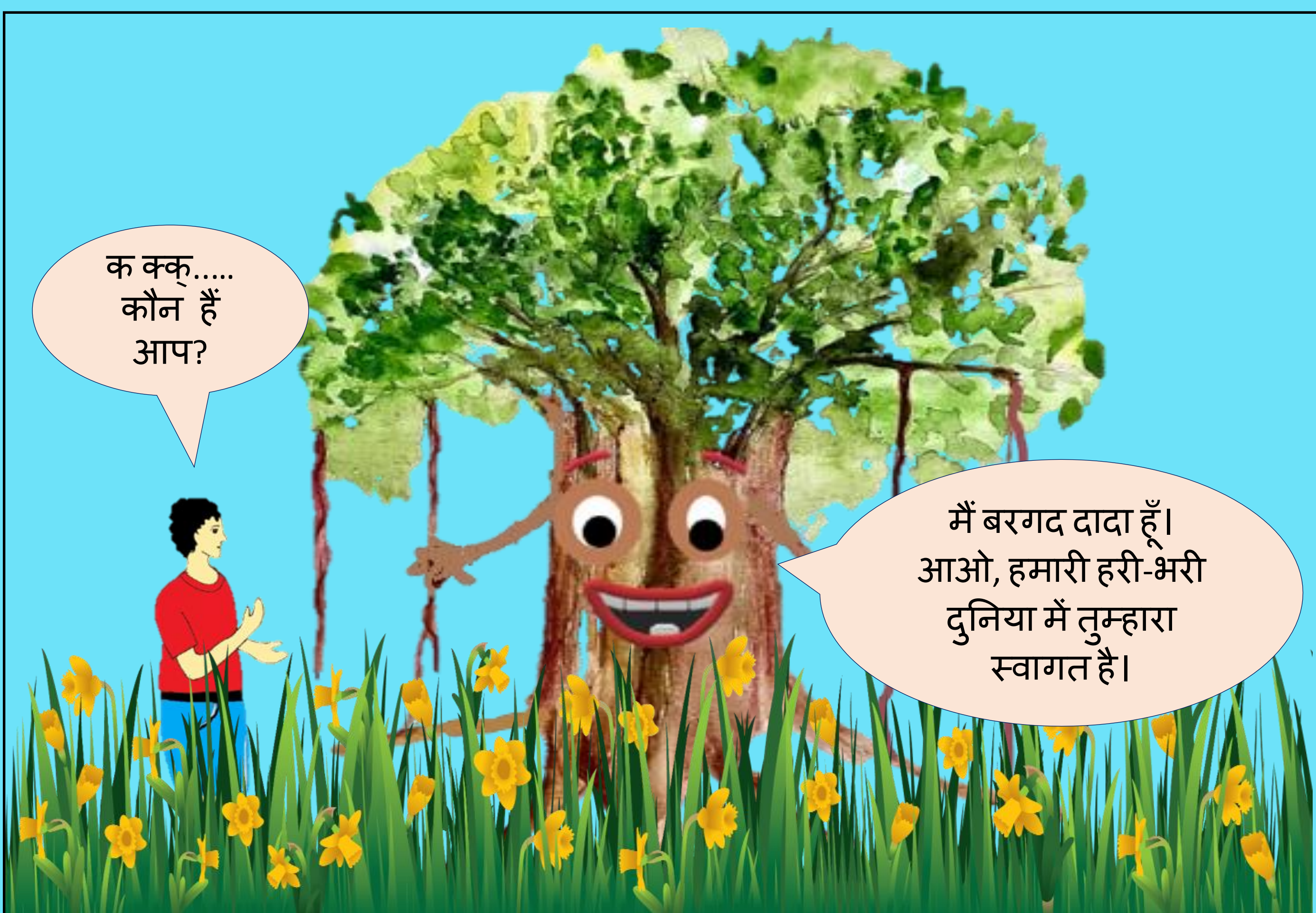

पेड़ों का अपना एक संसार है।
घने पेड़ पशु-पक्षियों का बसेरा होते हैं।

आओ, सबसे पहले मैं तुम्हें आम के पेड़ से मिलवाता हूँ।

गतिविधि

रंगों की सहायता से इस चित्र को बनाइए।

अरे! आम भाई साहब, देखिए आपसे मिलने कौन आया है?
ये मयंक हैं, इन्हें अपने बारे में कुछ बताइए।

मैं सभी को अच्छा लगता हूँ और सबको ठंडी छाया भी देता हूँ।
मेरे फल से अचार व बहुत से चटपटे व्यंजन बनाए जाते हैं।
बच्चों को आमरस पीना बहुत अच्छा लगता है।

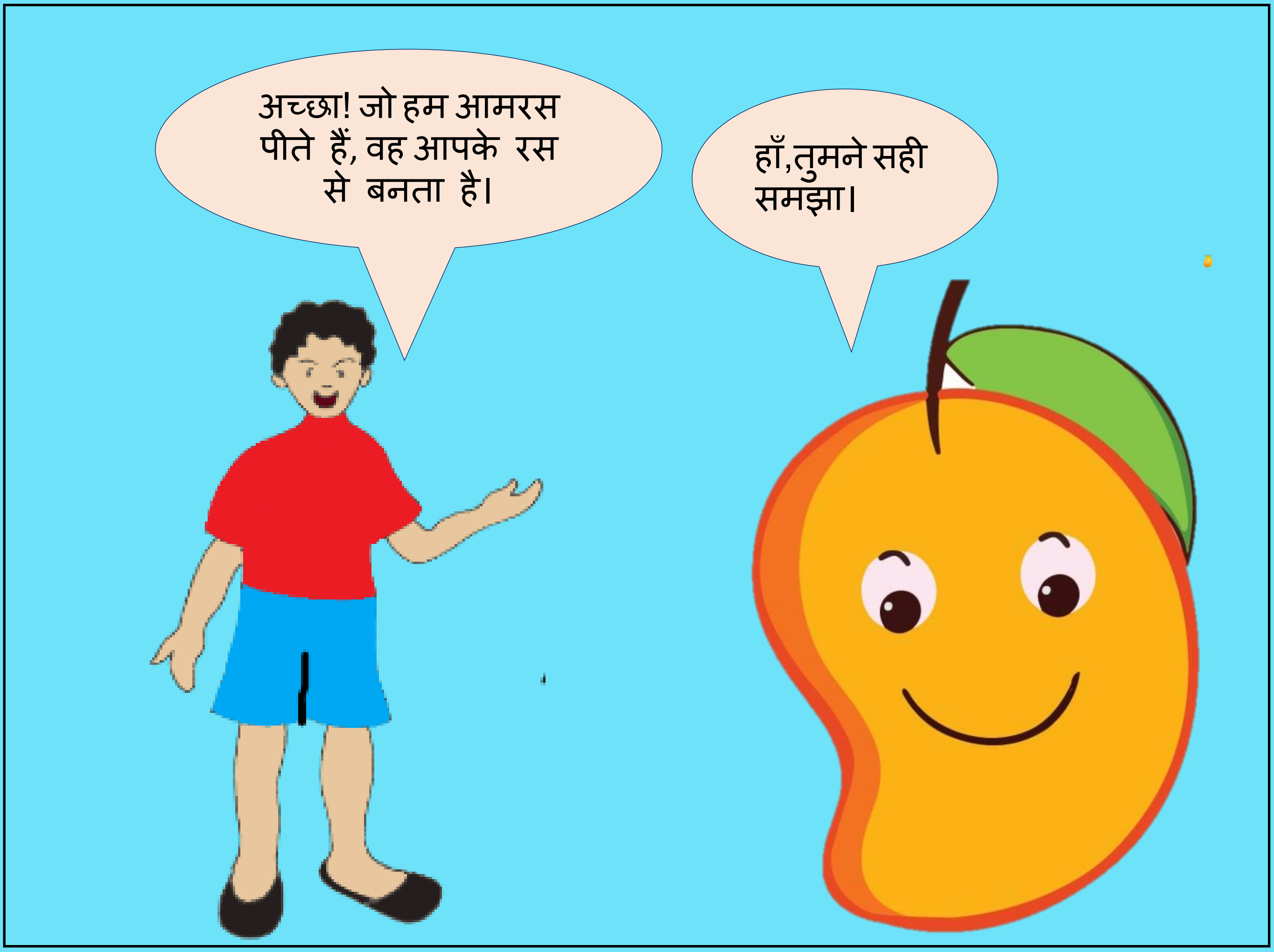
अच्छा! जो हम आमरस पीते हैं, वह आपके रस से बनता है।
हाँ,तुमने सही समझा।

आओ, अब हम नीम के पेड़ से भी मिल लेते हैं।
बरगद दादा, मैंने सुना है कि नीम भारत के सभी हिस्सों में पाया जाता है।

दादा, नीम की पत्तियाँ तो बहुत कड़वी होती हैं।
हाँ! क्योंकि मैं औषधि के रूप में जाना जाता हूँ ।
मेरी पत्तियों और तेल का प्रयोग कीड़े-मकोड़ों को भगाने में भी किया जाता हैं।

चलो, अब नारियल के पेड़ से मिलते हैं।
हाँ दादा, चलते हैं। बहुत मज़ा आ रहा है।

गतिविधि

फलों और सब्ज़ियों का प्रयोग करते हुए रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रस्तुतीकरण कीजिए। गतिविधि उपरांत खाद्य सामग्री व्यर्थ ना करें।

मैं सिर्फ़ लंबा ही नहीं बहुत उपयोगी भी हूँ।
अरे! नारियल का पेड़ तो बहुत लंबा है।

मेरा ठंडा-मीठा पानी तो जैसे गुणों की खान है।
जो मेरे खोल बच जाते हैं उनका प्रयोग कटोरों के रूप में किया जाता है।
मेरे छिलके से रस्सी बनाई जाती है।
अरे वाह! आप तो बड़े जादूगर हैं।

नारियल जी, आप कहाँ-कहाँ पाए जाते हैं?
मैं अधिकतर समुद्र तटीय स्थलों पर पाया जाता हूँ।

केले भाई, इनसे मिलिए, ये हैं मयंक।
क्या हुआ? हैरान हो गए ना तुम मेरे बड़े-बड़े पत्ते देखकर।

बरगद दादा और मयंक अब चलते-चलते बातें करने लगे।

गतिविधि

आम, केले, नारियल एवं नीम का प्रयोग कर बनाई गई किन्हीं पाँच चीज़ों के नाम लिखकर उनके चित्र बनाइए।

1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.
5.	5.

बातें करते-करते मयंक बरगद दादा के साथ चाय के बागान में पहुँच गया।

गतिविधि

स्वयं से गिरे पत्तों की सहायता से सुंदर चित्र बनाइए।

उदाहरण-

भारत के उत्तर में सेब, अखरोट, बादाम, देवदार एवं चिनार के वृक्ष बहुत मात्रा में पाए जाते हैं।

दक्षिण भारत का केरल राज्य गर्म मसालों (काली मिर्च, इलायची, जावित्री व करी पत्ता आदि) के लिए प्रसिद्ध है।

भारत के पूर्व में चाय, कॉफी के बागान तथा पश्चिम में शमी के पेड़ भी किसी से कम गुणकारी नहीं हैं। वहाँ की चाय देश-विदेशों में खूब पसंद की जाती है।

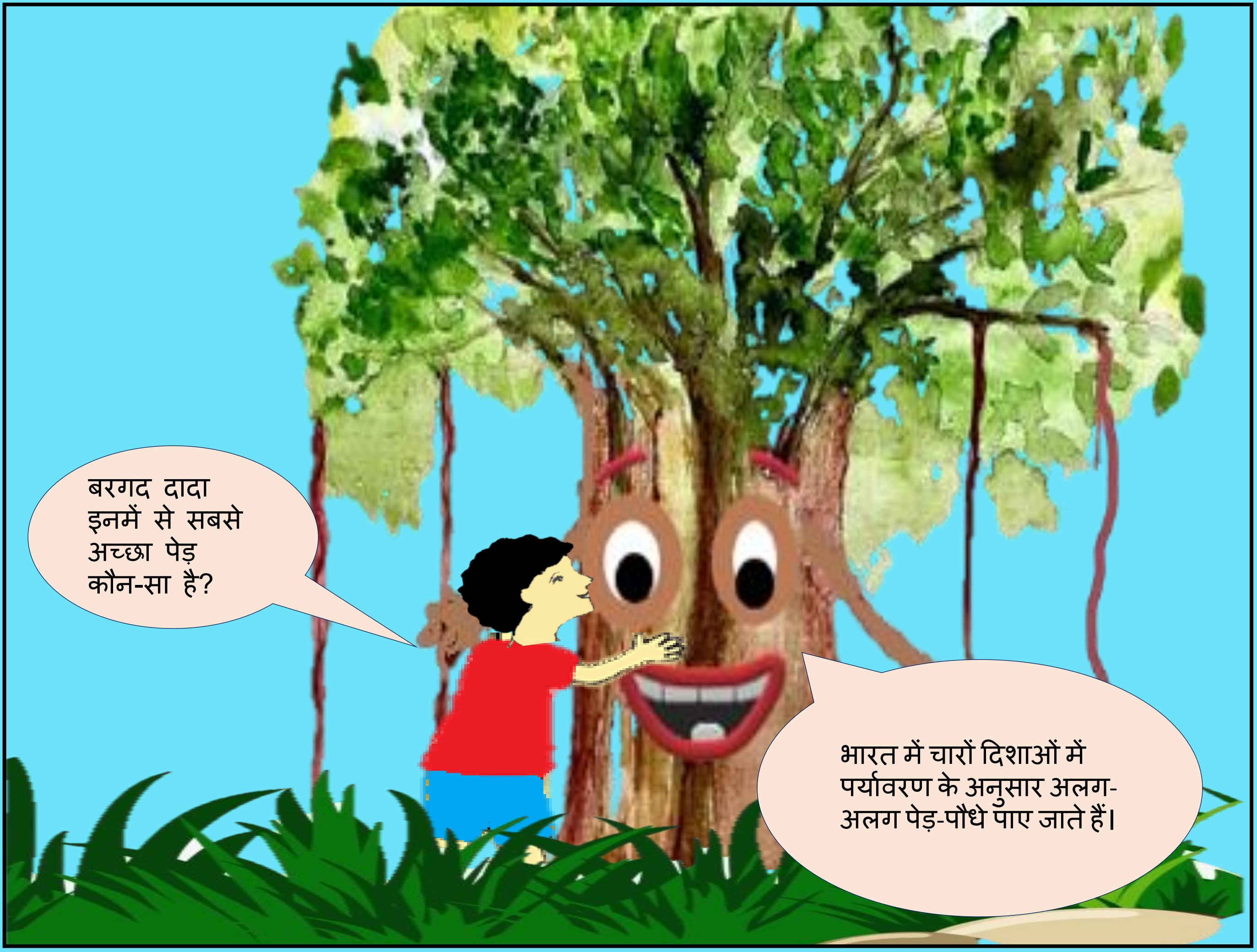
बरगद दादा इनमें से सबसे अच्छा पेड़ कौन-सा है?
भारत में चारों दिशाओं में पर्यावरण के अनुसार अलग-अलग पेड़-पौधे पाए जाते हैं।

इसका मतलब सभी पेड़ उपयोगी हैं।
हाँ मयंक,तुमने सही समझा।

पेड़ काटना मनुष्य की सबसे बड़ी मूर्खता है| जिसकी वजह से पशु-पक्षी भी अपना घरौंदा खो रहे हैं|

गतिविधि

‘पेड़ लगाओ, धरती बचाओ’ नारे का प्रयोग करते हुए पोस्टर बनाइए।

किस तरह एक छोटे से प्रयास ने पेड़ों को कटने से बचा लिया था।

गतिविधि

योग्यता विस्तार

चिपको आन्दोलन का चित्र बनाकर कक्षा में चर्चा करें।

उसी तरह पेड़ 'राखी उत्सव' मनाया जाता है। जिसमें हमें राखी बाँधी जाती है और हमारी रक्षा का वचन दिया जाता है।

आओ मैं आप सबको दादा जी द्वारा दी गई पुस्तक एवं अपने सपने के बारे में बताता हूँ।
सब मयंक की बातों को ध्यान से सुनते हैं।
चलो, अध्यापिका जी आ गईं।
अध्यापिका जी हमें पाठ अच्छे से समझ आ गया है।
हाँ, अध्यापिका जी।
शाबाश बच्चो!
आज से ही हम क्यों ना त्योहारों एवं खुशी के अवसरों पर एक दूसरे को पौधे देने -लेने की परंपरा शुरू करें।

गतिविधि

यह चित्र दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव की छात्रा दिव्यांशी सिंगल द्वारा बनाया गया है। कला के क्षेत्र में छात्रा का विशेष योगदान है। 'गूगल' द्वारा आयोजित 'डूडल फॉर गूगल' प्रतियोगिता में छात्रा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नीचे दिया गया चित्र इसी छात्रा द्वारा तैयार किया गया है। चित्र को ध्यान से देखिए और सोचिए कि ऐसे कौन से प्रयास हैं जो पेड़ों को खुश रहने में उनकी मदद कर सकते हैं।

* अपने सुझाव चित्र के माध्यम से समझाइए।

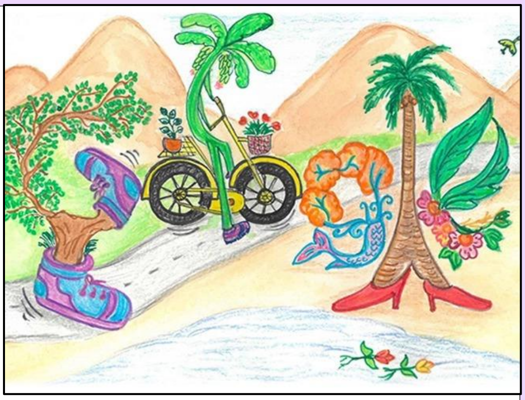

आओ सब मिलकर प्रण करें, पेड़ लगाएँ ,पेड़ बचाएँ,
जन-जन का उद्देश्य यही हो, धरा को फिर से स्वर्ग बनाएँ।

गतिविधि

प्रत्येक विद्यार्थी को अपने घर पर पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना और उसमें होने वाले बदलावों पर चर्चा कर जानकारी को साँझा करना एवं लिखना।

____

____

____

____

____

____

____

____

____

गतिविधि

पेड़-पौधों से बनी चीज़ों के नाम वर्ग पहेली में से ढूँढ कर नीचे लिखें।

ते	न	का	ग	ज़	न	ऊ	फ	का
प	ल	ला	क	ब	फा	ग	ल	ब
ल	फ	य	न	ट	इ	स	क	ऑ
ज	म	र्नी	ज़	व	ब	अ	ड़ी	क्सी
ट	मा	सी	च	इ	ह	ई	ध	ज
र	टी	दी	क्ष	र	फ	डी	ढ	न
आ	हं	व	स	द	ज़	ह	श	प
मे	न	ओ	ल	द	वा	ई	ट	ग

प्रश्नोत्तरी

प्रश्न 1- कक्षा में किस विषय पर बात हो रही थी?

क) पेड़ों पर

ख) फलों पर

ग) विद्यार्थियों पर

प्रश्न 2- पढ़ाए गए पाठ का क्या नाम था?

क) सबसे बड़ा पेड़

ख) सबसे अच्छा पेड़

ग) हरा पेड़

प्रश्न3- कहानी कौन सुनाता है?

क) मयंक

ख) राहुल

ग) दादा जी

प्रश्न 4- मयंक स्वप्न में क्या देखता है?

क) सब्जियाँ

ख) परियाँ

ग) पेड़

प्रश्न 5 - कच्चा नारियल किस काम आता है?

क) चटनी बनाने के

ख) खेलने के

ग) अचार

प्रश्न 6- पशु-पक्षी अपना घरौंदा क्यों खो रहे हैं?

क) प्रदूषण के कारण
ख) पेड़ कटने के कारण
ग) भीड़ के कारण

प्रश्न 7- विद्यार्थी क्या शपथ लेते हैं?

क) पढ़ाई करना
ख) त्योहार पर उपहार के रूप में पौधा देना
ग) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8- कौन से पेड़ की पत्तियाँ कड़वी होती हैं?

क) नीम
ख) आम
ग) नारियल

प्रश्न 9- दादा जी ने मयंक को क्या दिया?

क) किताब
ख) केला
ग) आम

प्रश्न10- इनमें से आपको कौन-सा फल सबसे अधिक पसंद है?

क) आम
ख) केला
ग) नारियल

गतिविधि

अपने क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड़ों के नाम की सूची बनाते हुए किसी एक पेड़ के विषय में लिखिए।

मुस्काते पेड़

खड़े-खड़े मुस्काते पेड़।
कहीं ना आते-जाते पेड़।।
जंगल हो या तड़क-भड़क हो।
पर्वत-घाटी, खुली सड़क हो।
या बिजली की तेज कड़क हो।
किंतु नहीं घबराते पेड़।
सैनिक से अड़ जाते पेड़।।
हरे गुलाबी गहने पहने।
सीख गए सब आतप सहने।
इन की मस्ती के क्या कहने।
खिलना हमें सिखाते पेड़।
सुंदर दृश्य दिखाते पेड़ ।।
कई तरह के फल उपजाते ।
खुशबू वाले फूल खिलाते।
लेकिन थोड़ा सा झुक जाते।
सज्जनता के नाते पेड़।
फूले नहीं समाते पेड़।।
कड़ी धूप में देते छाया।
सारा जीवन सरस बनाया।
पेड़ों की है अद्भुत माया।
पहले वर्षा लाते पेड़।
फिर छतरी बन जाते पेड़।।

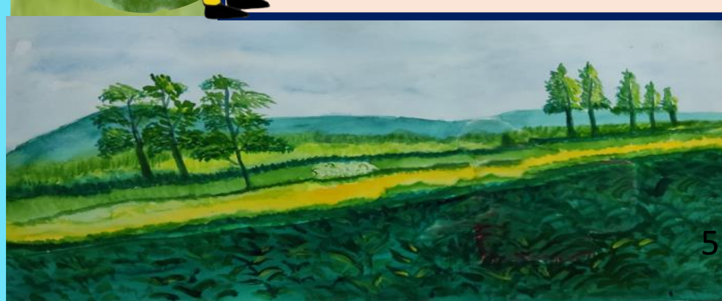

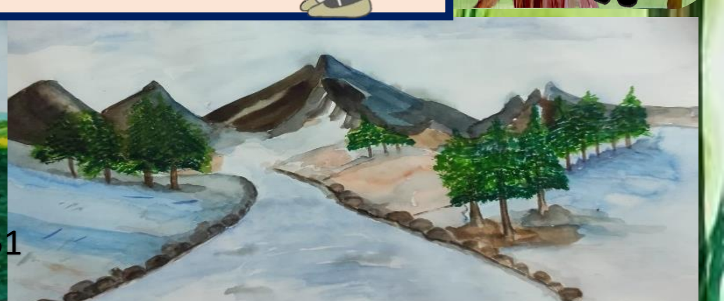

अभिस्वीकृति

"रचनात्मकता के बिना परिवर्तन असंभव है और परिवर्तन के बिना प्रगति संभव नहीं ।"

इसी बात की सार्थकता सिद्ध करने के लिए किसी ने सच ही कहा है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है । नई शिक्षा-प्रणाली के साथ-साथ पाठ्यक्रम को नया रूप देने के लिए जिस तरीके से कल्पनाशीलता का प्रयोग करते हुए ग्राफिक उपन्यास बनाने का प्रयास किया गया है वह रचनात्मकता का अद्वितीय उदाहरण है । ग्राफिक नॉवेल के लिए विद्यालय में संगठन बनाए गए। अभिविन्यास सत्र के द्वारा अध्यापक वर्ग की शंकाओं का निवारण किया गया। विषय चुने गए, पात्रों का चयन, विचारों का आदान-प्रदान हुआ और फिर संगठन शक्ति का प्रदर्शन हुआ । भाषा, कला, कंप्यूटर विभाग, एकजुट होकर एक-दूसरे का सहयोग करने लगे। यह एक समय-निवेशक कार्य था लेकिन आदर्श नेतृत्व में किया गया चुनौतीपूर्ण कार्य, आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर था। संगठन के सदस्यों द्वारा इस बात पर पूर्ण ध्यान केंद्रित किया गया कि इस चित्रमय प्रस्तुति में कहानी की मौलिकता तथा विद्यार्थियों की रोचकता बनी रहे व अधिगम पूर्णतः प्राप्त हो सकें। हमें पूर्ण विश्वास है कि पाठक इसे अवश्य पसंद करेंगे।

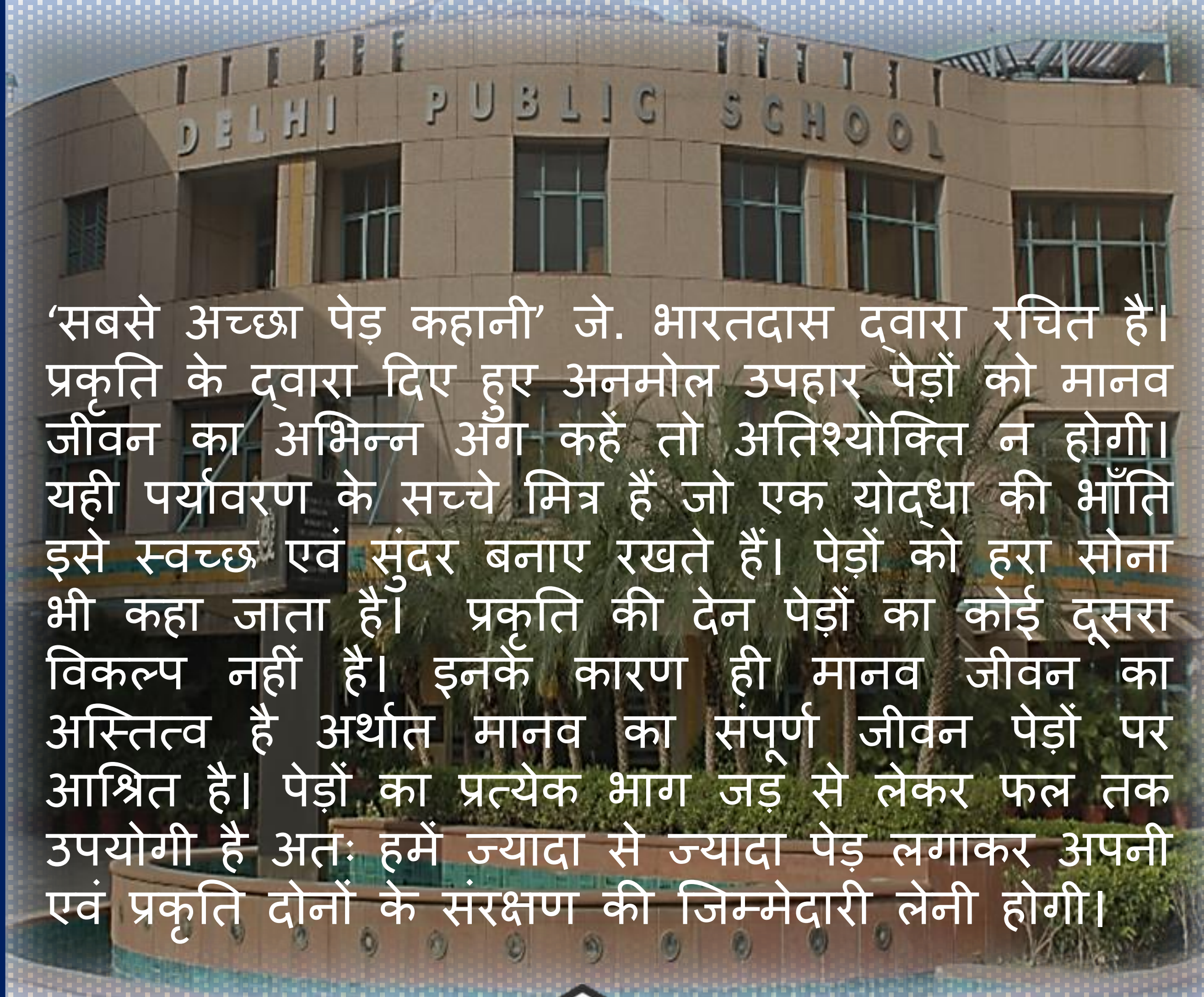

‘सबसे अच्छा पेड़ कहानी’ जे. भारतदास द्वारा रचित है। प्रकृति के द्वारा दिए हुए अनमोल उपहार पेड़ों को मानव जीवन का अभिन्न अंग कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। यही पर्यावरण के सच्चे मित्र हैं जो एक योद्धा की भाँति इसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखते हैं। पेड़ों को हरा सोना भी कहा जाता है। प्रकृति की देन पेड़ों का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। इनके कारण ही मानव जीवन का अस्तित्व है अर्थात मानव का संपूर्ण जीवन पेड़ों पर आश्रित है। पेड़ों का प्रत्येक भाग जड़ से लेकर फल तक उपयोगी है अतः हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर अपनी एवं प्रकृति दोनों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेनी होगी।

DELHI PUBLIC SCHOOL – GURGAON

(Affiliated to C.B.S.E)

Site No. 1, Sector-45, Urban Estate, Gurugram-122003

www.dpsgurgaon.org